**दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन हेतु याचिका**

जिला न्यायालय ...............................

वाद सं................... सन .........................

**अबक**  ...............याची

बनाम

**कखग**  ..............प्रत्यर्थी

**विशेष विवाह अधिनियम, 1954 (1954 की सं. 43) की धारा 22 के अधीन दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन के लिए याचिका।**

याची निम्नलिखित रूप में प्रार्थना करता है

1. याची प्रत्यर्थी का पति / पत्नी है। पक्षकारों के बीच विवाह तारीख ............................. को ......................... में .............................. की विवाह अधिकारी द्वारा अधिनियम के अध्याय II/ अध्याय III के अधीन अनुष्ठापित/ रजिस्ट्रीकृत किया गया। विवाह के प्रमाणपत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि इस याचिका के साथ उपाबद्ध की जाती है।
2. विवाह के पूर्व तथा याचिका को दाखिल करने के समय पर निम्नलिखित रूप में थे।

|  |
| --- |
| पति |
|  | विवाह के पूर्व | याचिका को दाखिल करने के समय पर |
| स्तर |  |  |
| आयु |  |  |
| निवास स्थान  |  |  |
| पत्नी |
|  | विवाह के पूर्व | याचिका को दाखिल करने के समय पर |
| स्तर |  |  |
| आयु |  |  |
| निवास स्थान  |  |  |

1. इस पैरा में, उनके लिंग, जन्म तिथियों या आयु के साथ-साथ विवाह के संतानों के नामों का कथन करें, यदि कोई हो;
2. प्रत्यर्थी उचित कारण के बिना, ............................. से प्रभाव के साथ याची के समाज से वापस ले लिया है; (परिस्थितियां जिनके अधीन याची के समाज से वापस ले लिया, का कथन किया जाय)
3. इस याचिका को दाखिल करने में किसी अनावश्यक या अनुचित विलम्ब के बिना नहीं हुई है ।
4. याचिका प्रत्यर्थी के साथ दुरभिसन्धि में नहीं प्रस्तुत की जाती है।
5. इसका कोई अन्य आधार नहीं है कि अनुतोष क्यों नहीं मंजूर किया जाना चाहिए।
6. पक्षकारों की ओर से या उनके द्वारा विवाह के बारे में कोई पूर्व कार्यवाही नहीं हुई है।

पक्षकारों द्वारा या उनकी ओर से विवाह के बारे में निम्नलिखित पूर्व कार्यवाहियाँ हुई है –

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | पक्षकारों के नाम  | अधिनियम की धारा के साथ कार्यवाही की प्रकृति  | मामले की सं. एवं तारीख तथा वर्ष  | न्यायालय का नाम एवं अवस्थित  | परिणाम  |
| 1 |  |  |  |  |  |
| 2 |  |  |  |  |  |
| 3 |  |  |  |  |  |
| 4 |  |  |  |  |  |

1. विवाह ................................. में अनुष्ठापन किया गया पक्षकारगण ..............................में अंत में साथ-साथ निवास करते थे।

(इस न्यायालय की साधारण मूल अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के अन्दर)

1. याची यह निवेदन करता है कि इस माननीय न्यायालय को वाद ग्रहण करने की अधिकारिता है।
2. याची प्रत्यर्थी के विरुद्ध दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन हेतु एक डिक्री हेतु निवेदन करता है।

याची

सत्यापन

ऊपर नामित किया गया याची यह सत्य निष्ठ प्रतिज्ञान पर कथन करता है कि याचिका के पैरा .............. लगायत .............. याची की जानकारी में सत्य है और पैरा ....................लगायत ............... उसके (पति / पत्नी) द्वारा प्राप्त की गयी और सत्य होने में विश्वास की गयी याची की सूचना में सत्य है।

................ में इस तारीख ............... को सत्यापित किया गया।

स्थान: याची